लंदन इंटरबैंक ऑफर्ड रेट (LIBOR)

प्रलिम्सि के लयि:

लंदन इंटरबैंक ऑफर्ड रेट, मुंबई इंटरबैंक फॉरवर्ड आउटराइट रेट (MIFOR), [भारतीय रज़िर्व बैंक](#) (RBI), [ब्याज दर](#), [रेपो रेट](#), ARR, SOFR, [डेरविटवि](#)

मेन्स के लयि:

लंदन इंटरबैंक ऑफर्ड रेट से वैकल्पकि संदर्भ दर में परविर्तन का महत्त्व

चर्चा में क्यों?

[भारतीय रज़िर्व बैंक](#) (Reserve Bank of India- RBI) ने बैंकों और अन्य वनियिमति संस्थाओं को **लंदन इंटरबैंक ऑफर्ड रेट (LIBOR)** के बजाय अन्य वैकल्पकि संदर्भ दरों (ARR) में संक्रमण की सलाह दी है।

- LIBOR से दूरी बनाने का उद्देश्य एक बेंचमार्क पर नरि्भरता को कम करना है जो हेर-फेर के लयि अतसिंवेदनशील हो और वत्तिीय प्रणाली की स्थरिता एवं अखंडता को सुनश्चिति करता हो।

LIBOR:

- **परचिय:**
  - LIBOR **व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली वैश्वकि बेंचमार्क ब्याज दर** है। यह **औसत ब्याज दर का** प्रतनिधित्वि करता है **जसि पर बैंकों का अनुमान है कि वे** वशिषि्ट समय अवधि के लयि लंदन इंटरबैंक मार्केट में **एक-दूसरे से उधार ले सकते हैं।**
  - LIBOR महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इसका उपयोग **वभिन्नि वत्तिीय साधनों** जैसे- वायदा, वकिल्प, वनिमिय और अन्य [डेरविटवि](#) में **व्यापारों के नपिटान के लयि एक संदर्भ दर के रूप में** कयि जाता है।
- **गणना:**
  - LIBOR की गणना करने के लयि बैंकों का एक समूह अपनी **अनुमानति उधार दरों को** प्रत्येक व्यावसायकि दनि में एक समाचार और वत्तिीय डेटा कंपनी, थॉमसन रॉयटर्स में प्रस्तुत करता है।
  - अधकितम दरों को हटा दयिा जाता है और **LIBOR दर नरि्धारति करने के लयि शेष दरों का औसत नकिाला जाता है** जसिका उद्देश्य औसत उधार दर का प्रतनिधित्वि करना है।
    - पूर्व में **LIBOR की गणना** पाँच प्रमुख मुद्राओं और सात अलग-अलग समय अवधयिों के लयि की जाती थी जसिके परिणामस्वरूप प्रत्येक दनि 35 दरें प्रकाशति होती थीं।
    - हालाँकि यूके फाइनेंशयिल कंडक्ट अथॉरटिी ने इनमें से अधकिांश दरों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दयिा और 31 दसिंबर, 2021 के बाद केवल **अमेरकिी डॉलर LIBOR दरों को प्रकाशति करने की अनुमत** दी गई।
- **महत्त्व:**
  - कई उधारदाताओं, उधारकर्त्ताओं, नविशकों और वत्तिीय संस्थानों ने इन **लेन-देन के लयि ब्याज दरों और मूल्य नरि्धारण के लयि LIBOR पर वशि्वास प्रकट** कयि है।
  - LIBOR का न केवल वत्तिीय बाज़ारों में उपयोग कयिा जाता है बल्कि **यह गरिवी (Mortgages), क्रेडटि कार्ड और छात्र ऋण जैसे उपभोक्ता ऋण उत्पादों** के लयि बेंचमार्क दर के रूप में भी कार्य करता है।
  - यह व्यक्तयिों और व्यवसायों द्वारा इन ऋणों पर भुगतान की जाने वाली ब्याज दरों को नरि्धारति करने में सहायता करता है।

LIBOR से दूरी क्यों बना रहा है RBI:

- **वशि्वसनीयता और प्रामाणकिता से संबंधति चतिाएँ:**
  - **वशि्वसनीयता और प्रामाणकिता** पर अपनी चतिाओं के कारण RBI, LIBOR से दूरी बना रहा है।

- LIBOR तंत्र में मुख्य दोष, बैंकों को उनके **वाणिज्यिक हितों पर विचार किये बिना ही उधार दरों की स्पष्ट और ठीक से रिपोर्ट** करने के लिये निर्भर रहता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़-तोड़ और कदाचार के अवसर प्रदर्शित होते है।
    - वर्ष 2008 के वित्तीय संकट के दौरान कुछ बैंकों ने संकट के बीच अधिक अनुकूल छवि प्रस्तुत करने के लिये **कृत्रिम रूप से अपने LIBOR प्रविष्टियों को कम** कर दिया। LIBOR के सदस्य अन्य बाज़ार उपायों की तुलना में न्यूनतम उधारी लागत की रिपोर्ट कर रहे थे।
- **प्रामाणिकता और निष्पक्षता का मुद्दा:**
    - उच्च लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से बैंकों द्वारा अपनी **व्यापारिक इकाइयों की व्युत्पन्न स्थिति के आधार पर अपने LIBOR प्रविष्टियों में परिवर्तन** करने की प्रवृत्ति देखी गई है।
    - यह बेंचमार्क की अखंडता और निष्पक्षता के बारे में चिंता पैदा करता है।

LIBOR का विकल्प:

- वर्ष 2017 में यूएस फेडरल रिज़र्व ने LIBOR के विकल्प के रूप में **सुरक्षित ओवरनाइट फाइनेंसिंग रेट** (SOFR) पेश किया।
    - भारत में मुंबई इंटरबैंक फॉरवर्ड आउटराइट रेट (MIFOR) की जगह **मोडिफाई मुंबई इंटरबैंक फॉरवर्ड आउटराइट रेट (MMIFOR)** के साथ SOFR का उपयोग करने के लिये नए लेन-देन की सिफारिश की गई थी।
- SOFR रेपो दरों पर आधारित है। ये दरें **रातों-रात नकद उधार लेने की लागत को दर्शाती हैं और यू.एस. ट्रेज़री सिक्योरिटीज़ द्वारा संपार्श्विक** हैं।
- LIBOR के विपरीत जो विशेषज्ञ निर्णय पर निर्भर था, SOFR वास्तविक लेन-देन से प्राप्त होता है, जिससे यह बाज़ार में हेर-फेर के लिये कम संवेदनशील होता है।
- दूसरी ओर, MMIFOR समायोजित SOFR दरों को शामिल करता है, जो अलग-अलग समय अवधि के लिये पूर्वव्यापी रूप से संयोजित होते हैं। ये दरें अन्य घटकों के साथ ब्लूमबर्ग इंडेक्स सर्विसेज़ से प्राप्त की जाती हैं।
    - SOFR और MMIFOR की शुरुआत का उद्देश्य वित्तीय अनुबंधों के लिये अधिक विश्वसनीय और लेन-देन-आधारित बेंचमार्क प्रदान करना है, जिससे LIBOR से जुड़े जोखिमों को कम किया जा सके।

LIBOR से स्थानांतरण में क्या चुनौतियाँ हैं?

- LIBOR से जुड़े कई उत्पाद हैं जिन्हें आधार के रूप में वैकल्पिक संदर्भ दर (ARR) के साथ फिर से डिज़ाइन किया जाना था।
    - एसोसिएशन द्वारा गठित दो कार्यकारी समूहों ने RBI से मार्गदर्शन प्राप्त कर इसे विकसित करने में मदद की।
- LIBOR से ARR में संक्रमण प्रौद्योगिकी और कानूनी पहलुओं की चुनौतियों का सामना करता है। इन **चुनौतियों में मौजूदा अनुबंधों से निपटना, प्रतिपक्षों, इंटरबैंक संस्थाओं और उधारकर्त्ताओं के साथ आवश्यक संशोधन** करना शामिल है।
- बैंकों को आवश्यक प्रणालीगत और तकनीकी परिवर्तन करने की आवश्यकता है। **इन परिवर्तनों में LIBOR से जुड़े उत्पादों की पहचान करना एवं समग्र जोखिम का निर्धारण करना शामिल है। बैंकों को ग्राहकों को संक्रमण के बारे में सूचित करना होगा, उन परिदृश्यों को उजागर** करने हेतु अनुबंधों में फॉलबैक क्लॉज़ शामिल करना होगा जहाँ संदर्भ दर अब उपलब्ध नहीं है, उनके लाभ व हानि विवरणों पर प्रभाव का आकलन करना, साथ ही उनके प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्मों में आवश्यक समायोजन की आवश्यकता है।

आगे की राह

- **बैंकों को आधार के रूप में नए ARR के साथ LIBOR/लिबोर से जुड़े उत्पादों को फिर से डिज़ाइन करने के अपने प्रयासों को जारी रखने की आवश्यकता है।** एसोसिएशन द्वारा गठित दो कार्यकारी समूह RBI के मार्गदर्शन में इस परिवर्तन हेतु आवश्यक रूपरेखा विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- प्रौद्योगिकी और कानूनी पहलुओं की चुनौतियों से निपटने हेतु **बैंकों को मौजूदा अनुबंधों को संभालने और प्रतिपक्षों, इंटरबैंक संस्थाओं एवं उधारकर्त्ताओं के साथ उचित संशोधन** करने पर ध्यान देना चाहिये।
- सुचारु परिवर्तन की सुविधा सुनिश्चित करने हेतु बैंकों को **अपने लाभ एवं हानि विवरणों पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करना चाहिये, साथ ही अपने आईटी प्लेटफॉर्म में आवश्यक सुधार** करना चाहिये।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/london-interbank-offered-rate